आर० टी० आई० के सिपाही सतीश सेठ्ठी को कानपुर ने दी श्रद्धांजलि

जन सूचना कानून के तहत जानकारी हासिल करने की सजा मौत के रूप में सतीश सेठ्ठी को मिली। पुणे क्षेत्र के तमाम भ्रष्टाचारियों को बेनकाब करने वाले इस युवा को किसी अज्ञात लालाची ने धारदार हथियार से मारकर मौत के घाट उतार दिया। केन्द्र सरकार द्वारा जनता के हाथ दिये गये इस अहिंसक हथियार का असामाजिक तत्वो पर इस कदर खौफ छाया है कि कागज और कलम के सिपाही को बेरहमी से पीट रहे है लेकिन अब एक कदम आगे बढते हुए ये दहशतगर्द लोगों को कत्ल करने लगे है। जिसका गवाह रास्ते पर बिखरा सतीश सेठ्ठी का खून है।

भले ही केन्द्र सरकार ने आर0 टी0 आई0 के रूप में जनता के हाथ एक हथियार दिया हो लेकिन सरकार के उदासीनता के कारण ही हर रोज देश के किसी न किसी कोने में कोई आर0 टी0 आई0 का सिपाही सरेबजार पीटा जा रहा है। प्रश्न है इसका जिम्मेदार कौन है, मरने वाला आर0 टी0 आई0 का सिपाही सतीश वक्त के साथ इतिहास के पन्नों में गुम हो जाय, लेकिन इस देश का हर जागरूक नागरिक उसकी शहादत को हमेशा याद रखेगा। जिसका उदाहरण पुणे से सैकड़ो मील दूर कानपुर की सड़को पर जुलूस के रूप में दिखाई दिया। कानपूर

शहर के विभिन्न सामाजिक व आर0 टी0 आई0 कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर सतीश को श्रद्धांजलि दी साथ ही वाहन यात्रा के रूप में सतीश के उपर हुए अत्याचार को जनता तक पहुंचाने का सफल प्रयास किया। यह वाहन यात्रा शिक्षक पार्क से शुरू होकर बड़े चौराहा पहुंची जहां नुक्कड़ सभा कर सतीश की शहादत को याद करते हुए आर0 टी0 आई0 के बारे में लोगों को जानकारी दी। यहां से यह वाहन काफिला कचहरी की तरफ चला वहां पहुंच कर नुक्कड़ सभा करने के बाद आगे नवीन मार्केट से होते हुए मूलगंज चौराहा पहुंचा। मूलगंज चौराहे पर सभा में बोलते हुए आर0 टी0 आई0 कार्यकर्ता दीपक मालवीय ने कहा कि सतीश सेठ्ठी की शहादत को हम बेकार नहीं जाने देंगे। सतीश सेठ्ठी की खून की एक एक बूंद भ्रष्टाचार की ताबूत में अंतिम कील साबित होगी। कानपुर के नागरिको से अपील करते हुए उन्होने कहा कि आप सभी एक एक आर0 टी0 आई0 आवेदन जरूर लगाये यही सही अर्थो में सतीश सेठ्टी की शहादत की श्रद्धांजलि होगी। यहां से ये यात्रा मेस्टन रोड होते हुए फूलबाग पहुंची जहां गांधी प्रतिमा के सामने गांधी जी की शहीदी दिवस को याद करते हुऐ 2 मिनट का मौन रखकर, इस आन्दोलन को और आगे ले जाने की प्रतिज्ञा की गयी।

इस वाहन यात्रा में स्थानीय लोगो की भागीदारी काफी रही। । इसमें सूचना का अधिकार अभियान उ0प्र0, जन चेतना कलामंच, लोकसेवक मंडल, जन सूचना जागृति

मिशन, सूचना जनहिताय जागरूकता केन्द, सेवियर, एन0 ए0 पी0 एम, आशा और अन्य मजदूर संगठन तथा जनसंगठनों ने प्रमुख रूप से भागीदारी की ।

धन्यवाद...

महेश, शंकर सिंह

31/01/2010

RTICUP Kanpur

10/425, Harihar Nath Shastri Bhavan, Khalasi Line, kanpur

M0. +91-9453533596, +91-9838546900